जल्द ही दुनिया में पहुंचेंगे मेक इन इंडिया लिखे यात्री विमान

पीएम मोदी ने वडोदरा में टाटा-एयरबस के सी-295 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट प्लांट की आधारशिला रखी

वडोदरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत परिवहन विमान का बहुत बड़ा निर्माता बनेगा। आज देश में इसकी शुरुआत हो रही है। मैं वह दिन देख रहा हूं, जब दुनिया के बड़े यात्री विमान देश में बनेंगे और उन पर मेक इन इंडिया लिखा होगा। 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर ग्लोब' के मंत्र पर बढ़ता भारत अपने सामर्थ्य को और आगे बढ़ा रहा है। पीएम ने रविवार को गुजरात के वडोदरा में टाटा-एयरबस के सी-295 परिवहन विमान विनिर्माण संयंत्र की आधारशिला रखी।

मोदी ने कहा, भारत विमानवाहक पोत, पनडुब्बियां बना रहा है। भारत की दवाएं दुनिया में लोगों की जान बचा रही हैं। पहली बार देश के रक्षा वायुक्षेत्र में इतना बड़ा निवेश हो रहा है। वडोदरा में बनने वाले परिवहन विमान हमारी सेना को तो ताकत देंगे ही, इससे विमान विनिर्माण के लिए नए ईकोसिस्टम का विकास होगा। प्रधानमंत्री ने कहा, सबसे तेजी से विकसित होता हवाई क्षेत्र भारत में है। एयर ट्रैफिक के मामले में हम शीर्ष तीन देशों में पहुंचने वाले हैं।

स्पेन की कंपनी एयरबस डिलरह पेस से 56 सी-295 सैन्य परिवहन विमान का सौदा बीते साल 24 सितंबर को हुआ था। 48 महीनों में 16 विमानों की फ्लाइंग मोड में आपूर्ति होगी। बाकी 40 विमानों का निर्माण टाटा कंसोर्टियम भारत में करेगा। एजेंसी

वडोदरा में सी-295 के संयंत्र की आधारशिला रखने के बाद विमान के मॉडल का निरीक्षण करते पीएम मोदी। एजेंसी

25

अरब डॉलर के रक्षा निर्माण का लक्ष्य 2025 तक

2026 से शुरू होगी आपूर्ति

भारत में बने विमानों की आपूर्ति 2026 से 2031 के बीच होगी। शुरुआती 16 विमान 2023 से 2025 के बीच आएंगे। वायुसेना के वाइस चीफ एयर मार्शल संदीप सिंह ने बताया, डील पूरी होने के बाद भारतीय वायुसेना सी-295 परिवहन विमान की सबसे बड़ी ऑपरेटर बन जाएगी।

भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र दो महत्वपूर्ण स्तंभ होंगे। हमारा 2025 तक रक्षा निर्माण में 25 अरब डॉलर से ज्यादा का लक्ष्य है। हमारा रक्षा निर्यात भी 5 अरब डॉलर से अधिक होगा। -नरेंद्र मोदी

देश के लिए गर्व की बात : राजनाथ

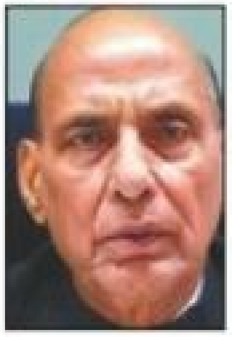

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि देश में पहली बार निजी क्षेत्र द्वारा किसी विमान निर्माण सुविधा की आधारशिला रखी गई है। यह सिर्फ आधारशिला नहीं है, बल्कि रक्षा क्षेत्र की 'आत्मनिर्भर भारत' यात्रा में एक मील का पत्थर साबित होगा। यह देश के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि इस संयंत्र में निर्मित सी-295 विमान बेहतर क्षमताओं और वैश्विक मानकों के साथ अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होंगे।